प्रथम

1

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक)

अंक– 85
न्यूनांक– 28

इकाई 1. निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों का संक्षिप्त परिचय – बालीनीज एवं थाई
दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों पर भारतीय नृत्यकला का प्रभाव
- बैले की उत्पत्ति, इतिहास व विकास
- आधुनिक नृत्य का विकास – नृत्यनाटिका, संगीतिका

इकाई 2 करण, अंगहार,रेचक,पिण्डबन्ध,स्थान
हस्ताभिनय : दशावतार हस्त, जाति हस्त, बांधव हस्त

इकाई 3 रस का स्वरूप, भाव,विभाव,अनुभाव,संचारी भाव, रसो की संख्या, रसों के प्रकार
नायक भेद

इकाई 4 ताल शब्द की व्युत्पत्ति
ताल के दश प्राण
लय प्रस्तार–विभिन्न लयकारियों को लिखने का अभ्यास ।

इकाई 5 निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबध्द करना–
धमार, रूपक, पंचम सवारी, शिखर, मत्त ताल, त्रिताल,

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2015–16
प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक)

अंक– 85
न्यूनांक– 28

इकाई 1. भारतीय नृत्यकला का इतिहास ।
प्रागैतिहासिक काल, वैदिक काल,रामायण काल, महाभारत काल, जैन व बौध्द धर्म के अभ्युदय का काल ।

इकाई 2 भारत की विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन–कथक,कथकली,मणिपुरी, भरतनाट्यम,कुचिपुडि,ओडिसी ~~क्षत्रिय~~ सत्रिय एवं छाउ नृत्य का संक्षिप्त परिचय ।

इकाई 3 नृत्यकला संबंधी प्राचीन ग्रंथों की जानकारी ।
अभिनय दर्पण एवं संगीत रत्नाकर का नृत्याध्याय ।

9/7/2015

S. Na

नाट्यशास्त्र की विषय वस्तु का अध्ययन ।

इकाई 4 नवाब वाजिद अली शाह एवं राजा चकधर सिंह का कथक के विकास में योगदान ।
राजा चकधर सिंह द्वारा रचित ग्रंन्थों का परिचय ।
रायगढ घराने के प्रमुख नृत्य कलाकारों का परिचय ।
पं. कार्तिकराम, पं. कल्याणदास महंत, पं. फिरतू महाराज, पं. बर्मनलाल पं. रामलाल ।

इकाई 5 साहित्य एवं नृत्यकला का अन्य ललित कलाओं से संबंध ।
नृत्य की संस्थागत शिक्षण पध्दति एवं गुरूशिष्य परम्परा का तुलनात्मक अध्ययन।
कथक नृत्यकला में समय–समय पर आए परिवर्तनों का अध्ययन ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक–100
न्यूनांक–33

ताल नर्तन

इकाई 1. तीन ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की विशेष क्षमता

इकाई 2. निम्नलिखित अप्रचलित तालों मेसे एक ताल में सम्पूर्ण नर्तन –
पंचम सवारी, रास, अष्टमंगल

इकाई 3. क्रम लय, तत्कार के पल्टे

इकाई 4. द्रुत गति में पैरों की तैयारी

इकाई 5. उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2015–16
प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100
न्यूनांक–33

अभिनय एवं नृत्त व नृत्य संरचना

इकाई 1. परिष्कृत प्रकार की गते या गत विकास

9/7/2015

S. Nair

घूंघट के प्रकार, रूखसार,आंचल,~~मटकी~~,मुरली,छेडछाड की गत

इकाई 2. निम्न में से किसी एक कथानक पर गतभाव – ~~मर्दन~~
द्रौपदी चीरहरण, जटायू मोक्ष, कालिया ~~दमन~~, गोवर्धन धारण

इकाई 3. गणेश अथवा शिव स्तुति/वंदना पर भाव प्रदर्शन
दादरा या कहरवां पर आधारित गीत पर भाव प्रदर्शन

इकाई 4. परीक्षक द्वारा पूछे गए किसी अपरिचित बोल की पढन्त व उसे प्रदर्शित करने की क्षमता

इकाई 5. अष्टनायिका पर भाव प्रदर्शन (कम से कम चार)

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक– 85
न्यूनांक–28

इकाई 1. निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों का संक्षिप्त परिचय एवं भारतीय नृत्यकला के साथ सहसम्बंध –
जावानीज, केनेडियन, बर्मीज

इकाई 2. पाश्चात्य नृत्यकला का परिचय बालरूम डांस, ओपेरा

इकाई 3. चारी, मण्डल, भ्रमरी, उत्पलवन भेद, गति भेद, अभिनय भेद
हस्ताभिनय – देवहस्त, नवग्रह हस्त, नृत्त हस्त

इकाई 4. रस निष्पत्ति के सिध्दान्त, नायिका भेद,
अष्टनायिका का परिचय उदाहरण सहित

इकाई 5. ताल शब्दावली, उत्तर तथा दक्षिण भारतीय ताल पध्दति का परिचय
निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबध्द करना –
झपताल, एकताल, रास, अष्टमंगल, त्रिताल,

9/7/2018

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक)

अंक– 85
न्यूनांक–28

इकाई 1. पूर्व मध्यकाल एवं इस्लामी सत्ताकाल में भारतीय नृत्यकला के विकास की जानकारी । स्वतंत्र भारत में नृत्यकला का विकास ।

इकाई 2. पारम्परिक नृत्य नाट्य – यक्षगान, रामलीला, नौटंकी, नक्काली का संक्षिप्त परिचय ।

इकाई 3. आचार्य भरत मुनी द्वारा रचित भरतनाट्य शास्त्र का सामान्य परिचय व भरतनाट्य शास्त्र के 'ताण्डव लक्षणम' नामक चतुर्थ अध्याय का विशेष अध्ययन ।

इकाई 4. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का उद्भव, विकास व विशेषताएं । लखनऊ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना, रायगढ घराना

इकाई 5. रासलीला और कथक नृत्य का सहसंबंध ।
म.प्र. के पारम्परिक लोक नृत्यों का सामान्य परिचय ।
म.प्र. के प्रमुख कथक नृत्यकारों का परिचय ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)

अंक 100
उत्तीर्णांक 33

इकाई 1. निम्नलिखित प्रचलित तालों मे से ~~किसी~~ एक ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की क्षमता –
धमार, रूपक, झपताल, एकताल

इकाई 2. नौहक्का, जाति परन, फरमाईशी, दुपल्ली, त्रिपल्ली व चौपल्ली परनों का ज्ञान

इकाई 3. जरब

इकाई 4. बोल जाति

04/7/2016

इकाई 5. उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र ~~2015–16~~ 2016-17
द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100
उत्तीर्णांक 33

इकाई 1. कृष्ण अथवा राम की वन्दना/स्तुति पर भाव प्रदर्शन

इकाई 2. निम्नलिखित कथानकों में से किसी एक कथानक पर गतभाव –
माखनचोरी, होली, सीता हरण, मदन दहन ।

इकाई 3. किसी एक ठुमरी पर भाव प्रदर्शन ।

इकाई 4. तराना ।

इकाई 5. परीक्षक द्वारा पूछे गए विषय पर भाव प्रदर्शन की क्षमता ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक– 85
न्यूनाक– 28

इकाई 1. नाट्यशास्त्र का परिचय – नाट्य शास्त्र के समस्त अध्यायों की विषयवस्तु का विस्तृत विवेचन ।
नाट्य शास्त्र के निम्न व्याख्याकारों का संक्षिप्त परिचय –
भट्ट उद्भट्ट, भट्ट लोल्लट,श्री शंकुक, भट्ट नायक, आचार्य कीर्तिधर, नान्यदेव, भट्टतौत, अभिनव गुप्त

इकाई 2 भारतीय रंगमंच का स्वरूप व परम्परा ।
भरत वर्णित नाट्य शालाएं
रंग मण्डप का विकास
भरत नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्यगृह की निर्माण विधि

इकाई 3 पूर्वरंग –पूर्वरंग का विधान, पूर्वरंग के अंग, नान्दी, प्रस्तावना, पूर्वरंग के विभेद ।

इकाई 4 आंगिक अभिनय के अंतर्गत भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार शीश,

9/7/2016

भृकुटी, दृष्टि, उर एवं कटि भेद ।
परिभाषाएं – औघट, उरमाई, उरप,तिरप,सुलप,जमनका,स्तुति,पोहपार्जुरी, लागडॉट, धिलांग, शुध्दमुद्रा, थर्र, सुढंग, त्रिभंग, घुमरिया, चंकमण, चेलांचल, छन्द,सरन ।

इकाई 5 चतुरंग, त्रिवट, तराना, ध्रुपद, गज़ल, गीत, भजन, कजरी, चेती, ठुमरी आदि गीति प्रकारों का अध्ययन ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक)

अंक– 85
न्यूंनाक– 28

इकाई 1 निबंध लेखन –
1. नृत्य एवं योग ।
2. कृष्ण चरित्र का कथक नृत्य शैली पर प्रभाव ।
3. नृत्य विषयक भारतीय परिकल्पना ।
4. नृत्त एक शास्त्रीय विवेचनाएं ।
5. कथक नृत्य में आए बदलाव की जानकारी, निम्न बिन्दुओं के आधार पर प्रदर्शन कम, मेकअप वेशभूषा, साहित्य (अभिनय की विषयवस्तु), संगीत व वाद्यवृन्द, ध्वनि व प्रकाश योजना ।

इकाई 2 परिभाषाएं उदाहरण सहित– नौहक्का, फरद, जातिपरन, फरमाईशी,कमाली, बढैय्या परन ।
निम्नलिखित तालों में परीक्षक द्वारा दिए गए बोलों को लिपिबध्द करना –रासताल,शिखरताल, पंचम सवारी, अष्ट मंगल, धमार, एकताल, झपताल एवं त्रिताल ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)

अंक– 100
न्यूंनाक– 33

ताल नर्तन

इकाई 1 निम्नलिखित अप्रचलित तालों में से किसी एक ताल पर सम्पूर्ण नर्तन– बसंत, रूद्र, एवं शिखर ताल एवं मत्ततल

इकाई 2 त्रिताल के अतिरिक्त किसी भी एक प्रचलित ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन ।

21/7/2015

(7)

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)

अंक– 100
न्यूनाक– 33

अभिनय

इकाई 1 देवी की स्तुति/वंदना
1. किसी भी अष्टपदी पर आधारित नृत्य रचना ।
2. होरी या झूला गीत पर आधारित नृत्य रचना ।
3. नवरसों का कियात्मक प्रदर्शन ~~विकास~~
4. परिष्कृत प्रकार की गतो (गत ~~विकास~~) का प्रदर्शन ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक)

अंक– 85
न्यूनाक– 28

इकाई 1 कथक का नामकरण, कथक के पर्यायवाची शब्द, कथक शब्द की व्युत्पत्ति, कथक शब्द की प्रयोग परम्परा ।
कथक व नटवरी नृत्य ।
कथक नृत्य की विकास धारा ।

इकाई 2 ताण्डव व लास्य नृत्य – उत्पत्ति, परिभाषा एवं प्रकार ।
निम्न पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान–हाव–भाव, कटाक्ष, अंदाज, व्यूह–किया, सप्त पदार्थ, सप्त अवयव, सप्त माल, न्यास विन्यास, सोलह श्रृंगार, सोलह अंग, बारह आभूषण ।

इकाई 3 कथक के नृत्तांग का सामान्य परिचय ।
नृत्तांग के मूलभूत तत्व–हस्तक, भ्रमरी, ताल प्रबंध, विशुध्द नृत्य के बोल, तबला पखावज के बोल व परमेलु का तात्विक अध्ययन ।

इकाई 4 कथक शैली के भाव प्रदर्शन की विधियॉ–नयनभाव, बोलभाव, ~~सम~~भाव, अर्थभाव, नृत्यभाव, गतअर्थभाव, अंगभाव, गतभाव व कवित्त ।
कथक के भाव प्रदर्शन की विशेषता ।

इकाई 5 नृत्य नाट्य के मंच प्रदर्शन की आधुनिक विधियॉ–आलेख लेखन, संगीत रचना, नृत्य निर्देशन, ध्वनि एवं प्रकाश योजना, मंचव्यवस्था, मंच परिकल्पना ।
नृत्य के विकास व प्रसार में संचार माध्यमों की भूमिका ।

(8)

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक)

अंक– 85
न्यूनांक– 28

काई 1. दिये गये कथानकों पर निम्न बिन्दुओं के आधार पर नृत्य नाटिका की संरचना – विषयवस्तु, पात्र चयन, मंचसज्जा, प्रकाश योजना, वेशभूषा, प्रयोग में लाई गई हस्त मुद्राएँ, रस एवं वाद्यवृंद ।

काई 2 बोल रचना – परीक्षक द्वारा निर्धारित ताल के अंन्तर्गतदिए गए शब्दों पर बोलों की संरचना ।

निम्नलिखित विषयों पर ~~संक्षिप्त टिप्पणी~~ निबन्ध लेखन

1. मार्गी व देसी नृत्य ।
2. आधुनिक युग में कथक शैली में किए गए सृजनात्मक प्रयोग–युगल, समूहनर्तन, फ्युजन ।
3. 20 वीं शताब्दी में नृत्य का विकास ।
4. मध्य प्रदेश में नृत्य परंपरा । (कथक नृत्य के विशेष संदर्भ में)

17/12/2016

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)

अंक– 100
न्यूनाक– 33

मंच प्रदर्शन

इकाई 1 मंच प्रदर्शन–30 मिनिट तक नृत्तांग की तथा 15 मिनिट अभिनय की प्रस्तुती ।

इकाई 2 परीक्षक द्वारा पूछे गए ताल अथवा अभिनय रचना पर प्रदर्शन की क्षमता

इकाई 3 तत्कार, बाट,लडी, पल्टे आदि का प्रदर्शन ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2016–17
चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक)

अंक– 100
न्यूनाक– 33

विविध नर्तन

इकाई 1 निम्नलिखित विशिष्ट प्रकार की परनों पर नृत्य प्रदर्शन । (~~35~~ 25 अंक)
ऋतु परन, दुर्गा परन, पक्षी परन,जाति परन, शिव परन, गणेश परन, प्रिमूलू आदि ।

इकाई 2 कजरी अथवा चैती पर आधिारित नृत्य रचना । (25 अंक)

इकाई 3 ध्रुपद पर आधारित नृत्य रचना । (25 अंक), अथवा भजन –तराना

इकाई 4 द्रुतलय में बोल परनों को करने का अभ्यास । (15 अंक)

इकाई 5 राजा चक्रधरसिंह द्वारा रचित बंदिशों पर नृत्य प्रदर्शन । (10)